श्रीगोस्वामितुलसीदासजीकृत-

विद्यावारिधि पं० ज्वालाप्रसादजीमिश्रकृत

सजीवनीटीकासहित

मूल पाठकी शुद्धतापूर्वक प्रत्येक चौपाई, दोहा, सोरठा, छन्दोंका अर्थ और उसके अन्तर्गत सम्पूर्ण क्षेपक कथाओंका भी तिलक, गूढार्थ, शंका-समाधान, प्रसंगानुसार सम्पूर्ण इतिहास, माहात्म्य, तुलसीदासजीका जीवनचरित्र, श्रीरामचन्द्रजीके वनवासका तिथिपत्र, रामाश्वमेध-अष्टम लवकुशकाण्ड और कोशसे अलंकृत।

खेमराज श्रीकृष्णदास,

अध्यक्ष-"श्रीवेङ्कटेश्वर"-स्टीम्-प्रेस

बम्बई.

संवत २०२८, सन १९७१.

SHRI VENKATESHWAR STEAM PRESS BOMBAY.

東京外国語
49. 3. 30
図書館蔵

000—11-71

श्रीगणेशाय नमः

तुलसीकृतरामायणकी विषयानुक्रमणिका

विषय.	पृष्ठांक.
१ प्रश्नावली	
२ मङ्गलाचरण टीकाकार	
३ गूढ़ार्थ	
४ प्रभाती	
५ अक्षौहिणी संख्याप्रमाण—वर्णन	
६ तुलसीदासजीका जीवनचरित्र सटीक	
७ रामायणमाहात्म्य सटीक	
८ एकश्लोकी रामायण	
बालकाण्ड १.	
प्रथम विश्राम ५९.	
मङ्गलाचरण	५९
गुरुचरणवन्दना	६४
साधुसमाज गुण स्वभाव लक्षण वन्दन	६६
दुष्टजन वन्दना	६९
गोसाईंजीका अपने विषयमें लघुता वर्णन	७४
व्यासादि ऋषियोंके प्रणामपूर्वक ग्रन्थका निर्माण	८१
वाल्मीकि, सरस्वती, गुरु, माता, पिता, शिव,पार्वती आदिको प्रणाम....	८३
रामनाममहिमा	८७
नाममाहात्म्य	८८
रामायणमाहात्म्य	९८
रामचरितके मानस नाम होनेमें हेतु वर्णन	१०३
द्वितीय विश्राम ११०.	
कथा प्रसंग याज्ञवल्क्य—भरद्वाज संवाद वर्णन	११०
शिव अगस्त्य संवाद वर्णन ...	११३
सतीको भ्रम होना,रघुनाथजीकी परीक्षा तथा शिवका सतीको त्यागना....	११४
दक्षके यज्ञमें सतीका देह त्यागना और शिवजीका वीरभद्र द्वारा यज्ञ-विध्वंस करना	१२५
पार्वतीका जन्म और तप करना....	१२६
सप्तऋषियोंके द्वारा शिवजीका पार्वती-की परीक्षा करना	१३४
शिवजी पर कामदेवकी चढ़ाई और कामदेवका दग्ध होना	१३८
शिवविवाहोत्सववर्णन	१४५
तृतीय विश्राम १५६.	
शिव पार्वती संवाद वर्णन	१५८
रामावतारका कारण और जय-विजय-की कथा	१६८
जलन्धरकी कथा	१७०
नारदतप-वर्णन, उनको मोह होना और उनके शापसे प्रभुका अव-तार धारण करना	१७१
स्वायम्भुवमनुकी कथा ...	१८३
राजा प्रतापभानुकी कथा	१९०
कपटमुनिका चरित्र	१९३
रावणकुम्भकर्णादिकोंका जन्म	२०५
रावणका लङ्केश होना और विजय करना	२०८
रावणका श्वेतद्वीपमें मानमर्दन होना (क्षेपक कथा)	२११
बलिराजा, भगवान् वामन और वालिसे मान मर्दन होना	२१२
सहस्रबाहुसे रावणका हारना	२१५
नलकूबरका रावणको शाप देना	"
ऋषियोंसे रावणका दण्ड लेना, उनका शाप देना और सीताजीकी उत्पत्ति	२१६
धनुषचरित्र (कथा क्षेपक)	२१८
पृथ्वीका गोरूप में ऋषि, देवगणके साथ ब्रह्माके पास जाना और सबका मिलकर परमात्माकी स्तुति करना	२२०
प्रसन्न हो भगवान्का निर्भय दान देना	२२४
(क्षेपक) राजा दिलीपसे रावणका वैर होना	२२५
कौशल्याकी कथा (क्षेपक)	२२७
चतुर्थ विश्राम २२९.	
राजा दशरथका यज्ञ करना. यज्ञकुण्डसे पायस लेकर अग्निदेवका प्रकट होना	२२९
राजाका रानियोंको पायस देना और रानियोंका गर्भधारण करना	२३०
(कथा क्षेपक)चारों भ्राताओंकीकुण्डली	२३१
श्रीरामचन्द्र लक्ष्मण भरत शत्रुघ्नका जन्म और बाललीला वर्णन	२३२
रामचन्द्रका कौशल्याको विराट् स्वरूप दिखाना ...	२३९
हनुमानजीका मिलन (कथा क्षेपक)	२४२
बाललीला (कथा क्षेपक)	२४६
पञ्चम विश्राम २४६.	
विश्वामित्र ऋषिका अयोध्यामें आगमन और दशरथजीसे यज्ञरक्षाके अर्थ राम, लक्ष्मणको मांगना	२४६
ताड़का वध वर्णन	२४९
मारीचको समुद्रके पार उड़ाना और सुबाहुका वध करना	"
जनकपुरगमन और अहल्याशापमोचन	२५०
गंगोत्पत्ति वर्णन (कथा क्षेपक)	२५२
षष्ठ विश्राम २६८.	
रामलक्ष्मणका जनकपुर देखने जाना	२६८
बागमें राम जानकीका मिलन तथा अन्योन्य छबि वर्णन	२७६
जानकीका पार्वतीजीसे वरदान पाना	२८७
सप्तम विश्राम २९१.	
श्रीरघुनाथका स्वयंवरमें पधारना	२९१
रावण बाणासुरका आना(कथा क्षेपक)	२९९
राजाओंका धनुष उठानेमें यत्न करना और धनुषका न उठना	३०२
सभामें जनकके कथन पर लक्ष्मणका क्रोधित होना	३०३
श्रीरामका सब राजाओंके देखते २ धनुष तोड डालना	३१०
अष्टम विश्राम ३१५.	
परशुरामका आगमन और उनके साथ रामलक्ष्मणका संवाद	३१६
नवम विश्राम ३३०.	
जनकपुरमें मण्डप वर्णन	३३१
दशरथजीका पत्री पढ़ना(कथा क्षेपक)	३३३
राजा दशरथका बरात लेकर जनक-पुरमें आना	३३८
दशम विश्राम ३४८.	
रामचन्द्रादि चारों भाइयोंका विवाह	३४८
कन्यादानका महासंकल्प (कथा क्षेपक)	३६०
रामकलेवा (क्षेपक)	३६८
एकादश विश्राम ३८३.	
बरातका विदा होकर अवधपुरीमें प्रवेश होना	३८५

विषय.	पृष्ठांक.
अयोध्याकाण्ड २.	
प्रथम विश्राम ४०७.	
मङ्गलाचरण श्लोक	४०७
श्रीराम सीताके विविध विलास	"
(कथा क्षेपक) केकय राजाका भरत शत्रुघ्नको अपने घर ले जाना और उनके हाथसे खरमुख- केतु आदि राक्षसोंका वध कराना	४०९ ४२०
विश्वावसुका गान करना, नारदका आगमन और ब्रह्माजीकी विनती कहना (क्षेपक कथा)	४२८
राजा दशरथका श्रीरामके राज्या- भिषेकार्थ मनोरथ करना	४३२
देवताओंका मंथरा और कैकेयी द्वारा राम-राज्याभिषेकमें सरस्वतीको भेजकर विघ्न करना	४३८
द्वितीय विश्राम ४३९.	
कैकेयी मंथराका संवाद ...	४३९
तृतीय विश्राम ४४८.	
राजा दशरथजीका कैकेयीके कोप- भवनमें गमन	४४८
राजा दशरथसे कैकेयीका वर मांगना	४५१
चतुर्थ विश्राम ४५९.	
रघुनाथजीका राजा दशरथके पास जाना और पुरवासियोंका विषाद	४६०
पंचम विश्राम ४६९.	
रघुनाथजीका मातासे बिदा मांगना	४६९
(क्षेपक रामरक्षा) तथा जानकी- संवाद वर्णन	४७२
रामका सीताके प्रति सीख देना	४७६
षष्ठ विश्राम ४८३.	
रामलक्ष्मण संवाद	४८३
रामका राजासे बिदा होना और पुरवासियोंका विषाद	४९१
सप्तम विश्राम ४९४.	
रामका शृङ्गबेरपुरमें आना	४९५
गुहसे मिलना	४९६
श्रीरामका सुमन्तसारथीको बिदा कर गङ्गा उतरके प्रयागराजमें भरद्वाजके दर्शन करना	५०७
अष्टम विश्राम ५०७.	
गंगाजीसे वर पाना और भरद्वाजसे बिदा हो ग्रामादि देखते जाना	५०८
नवम विश्राम ५२३.	
बाल्मीकिसे भेंट तथा रघुनाथजीका चित्रकूटको जाना और वहां निवास करना	५२३
दशम विश्राम ५३५.	
सुमन्तका अयोध्यागमन	५३५
सुमन्तका दशरथसे मिलना और दशरथजीका विलाप करना	५३९
(कथा क्षेपक) सरवनकी कथा और दशरथ मरण	५४०
एकादश विश्राम ५४७.	
वसिष्ठजीका १३ राजाओंके इतिहास कहना (क्षेपक)	५४८
वसिष्ठजीका भरतको बुलाना	५५०
भरतजीका आकर पिताका संस्कार करना	५५१
द्वादश विश्राम ५७१.	
भरतजीका सकल पुरवासियोंके साथ रामदर्शनके लिये चित्रकूटको जाना और मार्गमें गुहसे मिलाप होना	५७३
त्रयोदश विश्राम ५८२.	
प्रयागमें भरद्वाजजीसे मिलना, चित्रकूटमें भरतजीका जाना	५८५
चतुर्दश विश्राम ५९८.	
श्रीराम और भरतजीका मिलाप	६११
पञ्चदश विश्राम ६१६.	
समाज जुड़ना, भरत राम संवाद	६१७
जनकजीका चित्रकूटमें आकर रघुनाथसे मिलना	६३३
षोडश विश्राम ६३७.	
कोलकिरातोंका भेंट देना	६३८
सुनयना और कौशल्याकी वार्ता	६४०
भरतजनक संवाद तथा रामचन्द्रसे वार्ता	६४९
सप्तदश विश्राम ६६१.	
भरतजीका तीर्थ वन देखना, रामका पांवरी देकर भरतजीको बिदा करना	६६४
श्रीभरतजीका अयोध्यामें प्रवेश	६७०
आरण्यकाण्ड ३.	
प्रथम विश्राम ६७७.	
मङ्गलाचरण	६७७
जयन्तका काकरूपसे रघुनाथजीकी परीक्षा लेना	६७९
रघुवीरका अत्रिऋषिसे मिलाप....	६८१
अनसूयाका जानकीके प्रति उपदेश	६८३
द्वितीय विश्राम ६८६.	
विराधवध और शरभङ्ग मुनिका दर्शन	६८७
सुतीक्ष्ण मिलन तथा अगस्त्यसे मिलकर पञ्चवटीमें प्रवेश करना	६९१
तृतीय विश्राम ६९९.	
राम लक्ष्मणका संवाद	६९९
शूर्पणखासंवाद तथा उसके नाक कान काटनेके उपरांत खरदूषणका वध करना	७०२
चतुर्थ विश्राम ७१०.	
शूर्पणखाका रावणके पास जाना	७११
रघुनाथजीका जानकी अग्निको सौंप मायाकी सीता बनाना	७१४
रावणका मारीचको मृग बनाकर सीता हरना	७१५
जटायुसे रावणका युद्ध होना	७२२
ब्रह्माजीका इन्द्रके द्वारा सीताको पायस भोजन कराना (कथा क्षेपक)	७२४
पञ्चम विश्राम ७२५.	
रघुनाथजीका व्याकुल हो जानकीको ढूँढते हुए जटायुसे मिलना और उसको तारना	७२८
कबंधको मारना	७३१
रामका शबरीके आश्रममें प्रवेश	७३२
जानकीका पूर्वजन्म (क्षेपक)	७३४
षष्ठ विश्राम ७३६.	
वसंतऋतु वर्णन तथा रघुनाथ—नारदका संवाद वर्णन	७३७
किष्किंधाकाण्ड ४.	
प्रथम विश्राम ७.	
मङ्गलाचरण	७४७
हनुमान् और रामका संवाद....	७५०
राम और सुग्रीवसे मित्रता होनी	७५२
वालि सुग्रीवके जन्मकी कथा (क्षेपक)	७५३
मायावी और वालिका युद्ध तथा शापचरित्र	७५५
द्वितीय विश्राम ७५९.	
वालिके बलका वर्णन	७६०
तालवृक्षकी उत्पत्ति (क्षेपक)	७६१
सुग्रीव और वालिका युद्ध	७६४
भगवान्का वालिकी छातीमें बाण मारना और पास जाना	७६५
राम और वालिका संवाद	"
सुग्रीवका राज्याभिषेक	७६८
तृतीय विश्राम ७६८.	
रामका लक्ष्मणसे प्रवर्षण पर्वतपर वर्षा और शरदऋतुका वर्णन करना	७७०
सुग्रीवका महावीरजीको वानरोंके बुलानेको भेजना (क्षेपक)	७७४

विषय.	पृष्ठांक.
क्रोधित लक्ष्मणजीका किष्किन्धानगरीमें प्रवेश,तारा और सुग्रीवसे मिलना	७८०
सुग्रीवका रघुनाथजीसे मिलना	७८१
चतुर्थ विश्राम ७८२.	
सुग्रीवका सीता ढूँढनेके लिये वानरोंको भेजना	७८२
भूगोलवर्णन (कथा क्षेपक)	७८४
बन्दरोंका गुहामें प्रवेश	७९०
पञ्चम विश्राम ७९२.	
वानरोंका मरण निश्चय कर समुद्रके किनारे बैठना	७९२
वानरोंका सम्पातिसे मिलना और संवाद	७९३
सम्पातिचरित्र	७९४
वानरोंका अपनी २ उड़ानशक्तिका वर्णन करना (कथा क्षेपक)	७९७
महावीरजीका जन्मचरित्र वर्णन	७९९
सुन्दरकाण्ड ५.	
प्रथम विश्राम ८०७.	
मङ्गलाचरण	८०७
जाम्बवन्तके वचनसे हनुमान्जीका समुद्रतरण	८०८
मैनाक और हनुमान्—संवाद, पर्वतों की कथा (क्षेपक)	८०९
सुरसा और महावीर-संवाद,हनुमान्जीका सिंहिकाको मारना	८१०
लंकापुरीकी शोभा—वर्णन	८११
लंकिनीको जीत महावीरजीका पुरीमें प्रवेश	८१२
महावीरजीका जानकीकी खोजमें सोच करना (क्षेपक)	८१४
हनुमान्—विभीषण संवाद	८१५
द्वितीय विश्राम ८१७.	
अशोकवाटिकामें रावण और सीताका संवाद	८१७
त्रिजटाका स्वप्न वर्णन	८१९
हनुमान्जीका मुद्रिका डालना और जानकीजीसे मिलाप होना	८२१
तृतीय विश्राम ८२५.	
हनुमान्जीका अशोकवाटिका विध्वंस करना और अक्षयकुमारको मारना	८२५
मेघनादके साथ हनुमान्जीका रावणके पास सभामें जाना	८२७
हनुमान् और रावणका संवाद	८२८
हनुमान्का लंकादहन करना (क्षेपक)	८३२
जानकीजीसे मिलकर हनुमान्जीका बिदा होना	८३६
जानकीजीका विलाप (क्षेपक)....	८३७
चतुर्थ विश्राम ८३९.	
हनुमान्जीका फिर वानरोंसे मिलना और मधुवनके फल भक्षण करना	८३९
रामचन्द्रजीसे महावीरजीका मिलाप	८४०
लंकावर्णन (कथा क्षेपक)	८४१
जानकीजीकी दशा वर्णन	८४२
रामचन्द्रका लंका पयान वर्णन	८४५
पञ्चम विश्राम ८४६.	
मन्दोदरी और रावणका संवाद	८४७
रावणकी सभामें विचार (क्षेपक)	८४८
विभीषण-रावण-संवाद तथा विभीषणका तिरस्कृत होकर रामचन्द्रके पास आना, रघुनाथजीका तिलक कर देना	८५०
षष्ठ विश्राम ८५९.	
रामका समुद्रके प्रति विनय करना	८६०
रामचन्द्रके कटकमें शुकका भेद लेने आना और दंडित होना	८६१
शुकका रावणके पास वानरबल वर्णन	८६२
रामका समुद्रपर क्रोध करना और उसका रामकी शरणमें आना....	८६५
लंकाकाण्ड ६.	
प्रथम विश्राम ८७१.	
मंगलाचरण	८७१
समुद्रके वचनसे नल नीलका सेतु रचना	८७३
गोवर्धनकी कथा (क्षेपक)	८७४
रामेश्वरका स्थापन और माहात्म्य	८७५
श्रीरामका समुद्र उतरना	८७७
मन्दोदरी—रावण—संवाद	८७८
रावणकी राक्षसोंसे सलाह	८८०
द्वितीय विश्राम ८८३.	
चन्द्रोदयका वर्णन	८८३
रामका रावणके छत्र, मुकुट आदि भंग करना, मन्दोदरी वचन	८८५
श्रीरामचन्द्रजीका विराटस्वरूपवर्णन	८८६
शुकसारणका रावणके आगे वानरोंकी संख्याका वर्णन करना (कथा क्षेपक)	८८८
तृतीय विश्राम ८९५	
श्रीरामका रावणके पास अंगदको भेजना	८९५
अंगदका सभामें पैर रोपना	९१०
रावण-मन्दोदरी-संवाद	९१२
जानकीको रामका मायारूपी शिर दिखाना (क्षेपक कथा)	९१५
चतुर्थ विश्राम ९१६.	
अंगदका वाक्य सुन रघुनाथजीका लंकाको वानरोंसे घिरवाना और संग्राम करवाना	९१६
माल्यवन्त और रावण-संवाद	९२३
पञ्चम विश्राम ९२५.	
मेघनादका युद्ध वर्णन	९२६
लक्ष्मणजीके शक्तिका लगना	९२८
हनुमान्जीको औषधके लिये भेजना, मार्गमें कालनेमि और महावीरजीका संवाद, कालनेमिको मार मृतसञ्जीवनी औषध लेकर हनुमान्जीका लंकाको आना और मार्गमें भरतसे मिलना, भरत-हनुमान्-संवाद और रामका विलाप	९२९
षष्ठ विश्राम ९३८.	
लक्ष्मणजीका मूर्च्छासे उठना, धूम्राक्षादिका मरण, (क्षेपक) रावणका कुम्भकर्णको उठाना, उसको समझाना और युद्ध करना तथा कुम्भकर्णका वध	९३९
सप्तम विश्राम ९४८.	
मेघनादका मायाकी सीताका वध करना (कथा क्षेपक)	९४२
मेघनादके युद्धसे रघुनाथजी तथा सेनाका मूर्छित होना और गरुड़जीके आनेसे सबकी मूर्छा दूर होना	९५१
मेघनादकी शक्ति और सुलोचना मिलनेकी कथा (क्षेपक)	९५२
मेघनादका यज्ञ करना	९५४
मेघनादका यज्ञ विध्वंस और वध	९५६
सुलोचनाके सती होनेकी कथा (क्षेपक)	९५८
अष्टम विश्राम ९७७.	
रावणका नारियोंको समझाना ...	९७८
अहिरावणकी कथा (क्षेपक)	"
अहिरावणके जन्मकी कथा	९८०
अहिरावणका रामलक्ष्मणको हर ले जाना	९८५

विषय.	पृष्ठांक.
वानरोंका व्याकुल होना, हनुमान्-जीका राम लक्ष्मणको लाना और अहिरावणका वध	९८६
नवम विश्राम. ९९९	
नारान्तककी उत्पत्तिका वर्णन	९९९
नारान्तकका लंकामें आना	१०१०
दशम विश्राम १०१७.	
नारान्तकका लंकामें युद्ध और वध	१०१७
उसकी स्त्रीका सती होना	१०४०
एकादश विश्राम १०४५.	
राक्षसी सेनाका सन्नद्ध होना	१०५५
रावणका लक्ष्मण और रामके संग युद्ध होना	१०५६
लक्ष्मण–रावणका युद्ध	१०६०
पराजित रावणका यज्ञ करना	१०६२
इन्द्रका मातलि सहित रामके पास रथ भेजना तथा रावणका विभीषणके मारनेको शक्ति चलाना और उससे रामको किंचित् मोह होना	१०६७
रावणका मूर्छा त्यागना और माया रचना तथा राम रावणका महायुद्ध	१०७३
द्वादश विश्राम १०७७.	
त्रिजटा जानकी-संवाद	१०७७
श्रीरघुवीर द्वारा रावणका वध	१०८३
मन्दोदरीका विलाप वर्णन	१०८४
रावणके देहसंस्कारके अनन्तर विभीषणको राज्याभिषेक	१०८७
श्रीरामका अग्निसाक्षिपूर्वक जानकी-जीसे मिलाप	१०९०
त्रयोदश विश्राम १०९१.	
मातलिका बिदा होना	१०९१
देवस्तुति, दशरथका मिलापवर्णन, इन्द्रका श्रीरामकी स्तुतिकर अमृत वर्षाकर वानरोंको जिलाना	१०९२
शिवजीका स्तुति करना	१०९८
वानरोंका बिदा होना	११०१
श्रीरामचन्द्रका मुख्य मुख्य वानरोंके साथ अयोध्यागमन,निषादमिलन	११०२
उत्तरकाण्ड ७.	
प्रथम विश्राम ११०९	
मङ्गलाचरण	११०९
रामागमनसूचक शुभ शकुन	१११९
भरतका रामवियोगवर्णन	१११२
रामविरहयुक्त भरतजीसे हनुमानजीका मिलना, रामागमन सुन पुरवासियोंका नगरको सजाना	१११३
भरत और रामचन्द्रका मिलाप, प्रभुका कैकेयीसे भेंटकर भवनमें प्रवेश करना	१११७
द्वितीय विश्राम ११२४.	
श्रीरामचन्द्रका राज्याभिषेक	११२४
विभीषणका रत्नमाला लेकर जानकीके गलेमें डालना(कथा क्षेपक)	११२६
वेदोंका और शिवजीका स्तुति करना	११२८
तृतीय विश्राम ११३३.	
प्रभुका सुग्रीवादि वानरोंको बिदा करना और उनका जाना	११३४
गुहको बिदा करना	११३८
रामराज्य वर्णन	,,
सनकादिकोंका प्रभुदर्शनार्थ वनागमन	११४७
श्रीरघुनाथका प्रजाके प्रति सदुपदेश	११५६
श्रीरामका भरतके प्रति संत असंतोंके लक्षण कहना	११६१
चतुर्थ विश्राम ११६३.	
गरुडचरित्र वर्णन	११६६
काकभुशुण्डि गरुडसंवाद तथा मूल रामायणकथन	११७१
पञ्चम विश्राम ११७६.	
काकभुशुण्डिका मोहवर्णन	११८१
षष्ठ विश्राम ११९५.	
काकभुशुण्डिके पूर्वजन्मकी कथा	११९७
कलियुग महिमा	११९९
सप्तम विश्राम १२०५.	
रुद्राष्टक	१२०९
अष्टम विश्राम १२२०.	
ज्ञान और भक्तिका अभेद वर्णन अर्थात् ज्ञानदीपक	१२२१
नवम विश्राम १२२९.	
गरुड़का काकभुशुण्डिके प्रति सात प्रश्न करना	१२२९
ग्रन्थकी समाप्तिमें तुलसीदासजीका श्रीरघुनाथजीके प्रति विनय	१२४१
रामाश्वमेध-लवकुशकाण्ड ८.	
मङ्गलाचरण	१२४५
रामराज्यमें श्वान-द्विज-न्याय-वर्णन	१२५२
रामचन्द्रजीका भ्राताओंको सीताजीके त्यागकी आज्ञा देना	१२५६
लक्ष्मणद्वारा सीताजीका त्याग तथा करुणावर्णन	१२५९
सीताजीको वाल्मीकिजीका विश्राम देना	१२६०
रामचन्द्रजीका अश्वमेधयज्ञ करनेका विचार	१२६३
ससैन्य शत्रुघ्नका अश्वरक्षामें गमन और लवणासुरसंग्राम वर्णन	१२७२
शत्रुघ्न-लवकुश संग्राम वर्णन	१२८४
लवकुशविजय,हनुमान्-सीता-मिलन	१२९२
सीताजीका पातालप्रवेशवर्णन	१२९७
यज्ञसमाप्ति, जनकादि राजाओंका बिदा होना	१२९८
श्रीरामजीका पुरवासियों समेत परमधाम-गमन	१३०६
श्रीरामायणकी आरती	१३०९
भजन	,,
श्रीरामचन्द्रजीके चतुर्दशवर्ष वनवासका तिथिपत्र	१३११
कोष	(अंतमें)

इति ।

श्रीमद्गोस्वामि तुलसीदासकृत रामायणके चित्रोंका सूचीपत्र

विषय.	पृष्ठांक.
१ श्रीरामपञ्चायतन रङ्गीन चित्र	१
२ राजा दशरथ द्वारा श्रवणवध तथा श्रीरामजन्म चित्र	५८
३ अहल्योद्धार चित्र	२४१
४ जानकीस्वंयवर धनुषभङ्ग चित्र	३११
५ लक्ष्मण जानकी सहित श्रीरामचन्द्रजीका माता कौशल्यासे बिदा हो श्रीगंगा पार होनेका चित्र	४०६
६ श्रीरामद्वारा कपट काञ्चनमृगका वध और रावण द्वारा सीताहरणचित्र	६७६
७ ऋष्यमूक पर्वतपर हनुमान्जीका सुग्रीवकी आज्ञासे रघुनाथजीका परिचय लेनेका चित्र	७४६
८ हनुमान्जीका अशोकवाटिकामें दुःखित सीताजीको रघुनाथजीकी मुन्दरी देनेका चित्र	८०६
९ नलनीलादि बन्दरों द्वारा सेतुरचना और श्रीरामचन्द्रजीकारामेश्वर (शिवलिंग) स्थापन करनेकाचित्र	८७०
१० रामरावणके समरका चित्र	१०६५
११ श्रीराम भरत-भेंटका चित्र	११०८
१२ श्रीरामराज्याभिषेकका चित्र	११२४
१३ वाल्मीकिके आश्रममें सीताजीके परित्यागका चित्र	१२४४
१४ वाल्मीकिके आश्रममें लवकुशका घोड़ा पकड़ना और रघुवंशियोंसे कठिन संग्राम करनेका चित्र	१२९२